

मुफ्त IELTS किताबें

IELTS Speaking: Parts 1, 2 and 3

परीक्षक असल में क्या सुनते हैं, और एक मज़बूत जवाब कैसा लगता है — दस रोज़मर्रा के विषय, band 6 और band 7–8 आमने-सामने।

विषय-सूची

IELTS Speaking: Parts 1, 2 and 3

Part 0 — स्पीकिंग की जाँच असल में कैसे होती है

0.1 वे चार चीज़ें जो गिनी जाती हैं

0.2 तीनों हिस्से असल में हैं क्या

0.3 हर चीज़ के नीचे का एक हुनर: जवाब को आगे बढ़ाना

1.1 आप जहाँ रहते हैं

1.2 काम या पढ़ाई

1.3 ख़ाली समय और शौक़

1.4 दिनचर्या और आदतें

2.1 किसी व्यक्ति का वर्णन

2.2 किसी अनुभव का वर्णन

2.3 किसी चीज़ या जगह का वर्णन

3.1 सीखना और मार्गदर्शन

3.2 बदलाव और विकास

3.3 चीज़ें और उनकी कीमत

Part 4 — लोगों को band 6 पर क्या रोके रखता है

- 4.1 रटी हुई शुरुआत
- 4.2 एक-वाक्य वाला जवाब
- 4.3 चुप्पी को filler से भरना
- 4.4 गलत आकार के सवाल का जवाब देना
- 4.5 Part 3 में बात का सूत्र खो देना
- 4.6 दो-मिनट की जाँच

Part 5 — अभ्यास, और आखिरी हफ़्ता

- 5.1 नौ सवाल
- 5.2 खुद को रिकॉर्ड कीजिए, एक बार
- 5.3 आखिरी सात दिन

समापन

IELTS Speaking: Parts 1, 2 and 3

Free IELTS Books — freeieltsbooks.net अद्यतन अगस्त 2026

यह किताब किस बारे में है

यह किताब स्पीकिंग टेस्ट के बारे में है — उसके तीनों हिस्सों के बारे में।

अंग्रेज़ी आपके पास पहले से है। पर परीक्षा के कमरे में, ऐसे विषय पर जो आपने नहीं चुना, जब कोई आपके बोलते हुए सुन भी रहा हो और लिख भी रहा हो, वह फिर भी गायब हो सकती है। यह किताब न शब्दों की सूची है और न रटने के लिए वाक्यांशों का सेट। यह आपको एक ही सवाल का एक कमज़ोर जवाब और एक मज़बूत जवाब अगल-बगल दिखाती है, ताकि आप ठीक-ठीक सुन सकें कि असल में क्या बदला।

इस किताब का हर cue card और हर सवाल इसी किताब के लिए लिखा गया है। इनमें से कोई भी असली परीक्षा की सामग्री नहीं है — असली cue card दोहराए और बाँटे जाते हैं, और ठीक इसीलिए किसी एक को रट लेना बुरी योजना है। उसकी जगह अच्छे जवाब की बनावट सीखिए; वह उस हर सवाल पर काम आती है जो आपको असल में मिलेगा।

वह एक चीज़ जो यह किताब नहीं कर सकती

Pronunciation उन चार चीज़ों में से एक है जिन पर परीक्षक अंक देता है, और कोई किताब आपको बोलते हुए सुन नहीं सकती।

इसलिए यह किताब सिखाती है कि क्या कहना है और उसे कैसे बनाना है — यह नहीं कि उसे कहते हुए आवाज़ कैसी निकले। अगर आपका लहजा या उच्चारण सचमुच चिंता की बात है, तो उसका इलाज इन पन्नों में नहीं है। इलाज है अपने जवाब ज़ोर से बोलना — हो सके तो किसी दूसरे इंसान के सामने, और न हो सके तो रिकॉर्ड करके दोबारा सुनना।

Part 5 ठीक-ठीक बताता है कि यहाँ जो सीखेंगे उसके साथ यह कैसे करना है।

जो किताब बिना किसी ऑडियो के उच्चारण सिखाने का दिखावा करे, वह पूरी दिखने के लिए आपका समय बर्बाद कर रही होगी। यह किताब साफ़-साफ़ बता देना बेहतर समझती है कि वह क्या नहीं करती।

Parts 1, 2 और 3

ये एक ही टेस्ट हैं, तीन नहीं — पर तीनों अलग-अलग चीज़ें माँगते हैं।

Part 1 एक इंटरव्यू है। जानी-पहचानी चीज़ों पर चार-पाँच मिनट के छोटे सवाल — आप कहाँ रहते हैं, आपका काम या पढ़ाई, आपका ख़ाली समय। यहाँ कोई भाषण की उम्मीद नहीं करता। उम्मीद होती है सहज, विकसित जवाबों की।

Part 2 है long turn — लंबी बारी। आपको एक कार्ड मिलता है जिस पर एक विषय और छूने लायक कुछ बिंदु होते हैं, नोट्स बनाने के लिए एक मिनट, और फिर आप एक से दो मिनट अकेले बोलते हैं।

Part 3 एक चर्चा है। यह आपके Part 2 के विषय से निकलकर कुछ ज़्यादा अमूर्त की ओर बढ़ती है — राय, तुलनाएँ, चीज़ें कैसे बदली हैं। आमतौर पर लोगों को यही हिस्सा सबसे कठिन लगता है, और यह हाँ-में-हाँ मिलाते जवाब से ज़्यादा सोचे-समझे जवाब को इनाम देता है।

इसे इस्तेमाल कैसे करें

Part 0 को एक बार पढ़िए। वह समझाता है कि अंक असल में किस चीज़ के मिलते हैं, और उसके बाद की हर बात उसी की ओर लौटती है।

फिर Parts 1, 2 और 3 को एक-एक विषय करके पढ़िए। सवाल या कार्ड पढ़िए, जवाबों को ढ़ंक दीजिए, उतने ही समय में अपना जवाब ज़ोर से बोलिए जितना आपको असल में मिलेगा, और उसके बाद ही हमारा पढ़िए। पहले ख़ुद बोले बिना जवाब पढ़ना कहीं कम सिखाता है।

Part 4 उन ख़ास आदतों की सूची है जो लोगों को band 6 पर रोके रखती हैं। इसे तब पढ़िए जब आप कुछ विषयों का अभ्यास कर चुके हों और उसमें अपनी आवाज़ पहचान सकें।

Part 5 में नौ सवाल हैं, बिना जवाब दिए। यह जानबूझकर है, और वहीं बताया गया है कि इनका क्या करना है।

एक ईमानदार बात

कोई किताब आपको स्कोर का वादा नहीं कर सकती, और जो कोई करे, वह सच नहीं बोल रहा।

यह किताब इतना कर सकती है कि आपको इतने विस्तार से दिखा दे कि मज़बूत जवाब असल में कैसा सुनाई देता है, कि आप अंदाज़ा लगाना बंद कर दें। उसे ज़ोर से बोलना फिर भी आपको ही है।

© 2026 OurSharedCode — freeieltsbooks.net / यह किताब एक स्वतंत्र प्रकाशन है, जो शैक्षिक उद्देश्य से निःशुल्क वितरित की जाती है।

IELTS®, British Council, IELTS Australia Pty Ltd (IDP Education के स्वामित्व में) और Cambridge English (Cambridge University Press & Assessment का हिस्सा) का पंजीकृत ट्रेडमार्क है — इन्हें मिलाकर 'IELTS Partners' कहा जाता है। यह प्रकाशन और इसके लेखक IELTS Partners से संबद्ध, प्रायोजित, अनुमोदित या स्वीकृत नहीं हैं; 'IELTS' शब्द शीर्षक और पाठ में केवल इस किताब का विषय बताने के लिए है।

सभी प्रश्न, मॉडल उत्तर और व्याख्याएँ लेखक की मौलिक रचनाएँ हैं; कोई आधिकारिक IELTS सामग्री यहाँ पुनःप्रकाशित नहीं की गई है। परीक्षा की ताज़ा आधिकारिक जानकारी के लिए ielts.org देखें।

आप यह किताब उसके पूर्ण, बिना बदले रूप में मुफ़्त साझा कर सकते हैं। इसे बेचा नहीं जा सकता। स्वैच्छिक दान केवल होस्टिंग, डोमेन और अनुवाद की लागत में सहायता करते हैं; कोई सामग्री बेची नहीं जाती, और दान का IELTS Partners से कोई संबंध नहीं है।

Part 0 — स्पीकिंग की जाँच असल में कैसे होती है



0.1 वे चार चीज़ें जो गिनी जाती हैं

राइटिंग टेस्ट की तरह, आपके बोलने को एक स्कोर नहीं मिलता। चार मिलते हैं, और उनका औसत पूरे टेस्ट पर निकाला जाता है — हर हिस्से पर अलग-अलग नहीं।

Fluency and Coherence — क्या आप बोलते रह सकते हैं, और क्या बात आपस में जुड़ी रहती है?

Fluency रफ़्तार नहीं है। यह इस बात की है कि आप जवाब को बिना लंबे ठहरावों, बार-बार की शुरुआतों, या कहने को कुछ न बचने पर अटक जाए बिना विकसित कर पाते हैं या नहीं। Coherence यह है कि आपके विचार ऐसे क्रम में जुड़ते हैं या नहीं जिसका सुनने वाला पीछा कर सके — एक विचार से अगला निकलता हुआ, न कि विषय पर बेमेल तथ्यों की सूची।

Lexical Resource — क्या एक आम बात कहने के आपके पास एक से ज़्यादा तरीक़े हैं?

दुर्लभ शब्द नहीं। रेंज और सहजता। क्या आप एक ही शब्द को चार बार दोहराने की जगह उसे दूसरे शब्दों में कह सकते हैं, और क्या आपके चुने हुए शब्द उस स्थिति पर बैठते हैं जिसका आप वर्णन कर रहे हैं — या वे कहीं और से रटे हुए सुनाई देते हैं।

Grammatical Range and Accuracy — वही अदला-बदली जो लिखाई में है, बोलकर।

विविधता, बिना टूट-फूट के। सिर्फ़ छोटे-सही वाक्य आपको नीचे रोक देंगे; बिखर जाने वाले लंबे, महत्वाकांक्षी वाक्य भी आपको वहीं रोकेंगे। बीच का रास्ता वही है जो Book 1 निबंधों के लिए बताती है: थोड़ी-सी ऐसी रचनाएँ जिन्हें आप बिना सोचे इस्तेमाल कर सकें, और उनके साथ ढेर सारे सरल, शुद्ध वाक्य।

Pronunciation — क्या आपको सहज ज़ोर और लय के साथ, आराम से समझा जा सकता है?

इसका नाम यहाँ इसलिए लिया गया क्योंकि यह चारों में से एक है — और फिर इसे किनारे रख दिया गया है। यह किताब इसे नहीं सिखा सकती — शुरुआत में "वह एक चीज़ जो यह किताब नहीं कर सकती" देखिए। आगे की हर बात बाक़ी तीन के बारे में है।

वह बात जो आपके अभ्यास का तरीक़ा बदल देगी

चारों स्कोर का औसत Parts 1, 2 और 3 को मिलाकर निकाला जाता है। मज़बूत long turn कमज़ोर इंटरव्यू को बचाता नहीं, और कमज़ोर चर्चा मज़बूत long turn को मिटाती नहीं। परीक्षक पूरी बातचीत में आपकी एक ही छवि बना रहा है, तीन अलग-अलग नहीं।

इसका सीधा व्यावहारिक मतलब है। अपनी सबसे अच्छी अंग्रेज़ी Part 2 के लिए बचाकर मत रखिए, सिर्फ़ इसलिए कि वही "असली" टेस्ट लगता है। Part 1 के छोटे सवाल ठीक उतनी ही गंभीरता से जाँचे जाते हैं।

0.2 तीनों हिस्से असल में हैं क्या

Part 1 (4–5 मिनट)। जाने-पहचाने विषयों पर छोटे सवाल — घर, काम या पढ़ाई, रोज़मर्रा की ज़िंदगी, आपकी पसंद की चीज़ें। यह एक इंटरव्यू है, विचारों की परीक्षा नहीं। परीक्षक आपको उन चीज़ों पर सहज बोलते सुनना चाहता है जिन्हें आप पहले से जानते हैं — किसी कठिन विषय पर राय नहीं।

Part 2 (तैयारी का 1 मिनट, बोलने के 1–2 मिनट)। आपको एक कार्ड दिया जाता है जिस पर एक विषय और छूने लायक़ तीन-चार बिंदु होते हैं। नोट्स बनाने के लिए — स्क्रिप्ट लिखने के लिए नहीं — आपको एक मिनट और एक पेंसिल मिलती है, और फिर आप बिना रोक-टोक तब तक बोलते हैं जब तक परीक्षक आपको रोक न दे या समय ख़त्म न हो जाए।

Part 3 (4–5 मिनट)। आपके Part 2 के विषय से जुड़ी एक चर्चा, पर उसे ज़्यादा सामान्य, कभी-कभी अमूर्त ज़मीन पर खींच लिया जाता है। अगर Part 2 ने आपसे ऐसे व्यक्ति का वर्णन करवाया जिसने आपको कुछ सिखाया, तो Part 3 पूछ सकता है कि लोग सबसे अच्छा कैसे सीखते हैं, या पिछली पीढ़ियाँ क्या अलग तरह से सीखती थीं। यह जानबूझकर टेस्ट का सबसे कठिन हिस्सा है, क्योंकि यह वर्णन नहीं, तर्क माँगता है।

0.3 हर चीज़ के नीचे का एक हुनर: जवाब को आगे बढ़ाना

अगर इस किताब को सिर्फ़ एक आदत सिखानी होती, तो वह यही होती।

जो एक चीज़ किसी भी दूसरी चीज़ से ज़्यादा भरोसे से मज़बूत स्कोर की ओर इशारा करती है, वह है छोटे सवाल का जवाब एक सूखे तथ्य से ज़्यादा में देना — बिना कहे।

Claim. Reason. Example. यानी दावा, कारण, उदाहरण। जो सोचते हैं वह कहिए, वजह बताइए, और किसी खास चीज़ से उसे ठोस बनाइए। तीन छोटे जोड़ एक पंक्ति के जवाब को विकसित जवाब बना देते हैं, और इसके लिए न उन्नत व्याकरण चाहिए, न दुर्लभ शब्दावली। चाहिए सिर्फ़ आदत।

- *Claim:* "I don't really enjoy cooking."

- *Reason:* "I find it takes longer than I expect, and I lose patience halfway through."
- *Example:* "Last week I tried to make a simple soup and it took nearly two hours in the end."

यह एक की जगह चार वाक्य हैं, और इनमें ऐसा कुछ भी नहीं जो पहले वाक्य से ज़्यादा उन्नत हो। इसके बाद का हर अध्याय आपके जवाबों को इसी आदत पर परखता है, क्योंकि इस किताब की लगभग हर "असल में क्या बदला" टिप्पणी इसी पर लौटती है।

1.1 आप जहाँ रहते हैं

सवाल

Can you tell me a little about the place where you live?

जाल: रटी हुई-सी सुनाई देने वाली शुरुआत। बहुत-से परीक्षार्थियों ने ठीक इसी सवाल के जवाब का इतनी बार अभ्यास किया होता है कि वह चपटा और पहले-से-भरा हुआ निकलता है — *"I come from a small city in the north of my country"* — और उस सवाल से ज़्यादा चौड़े सवाल का जवाब दे जाता है जो असल में पूछा गया था। "little" शब्द पर ध्यान दीजिए: परीक्षक कोई खास, आज की बात सुनना चाहता है, भूगोल का रटा हुआ सार नहीं।

Band 6

I live in a medium-sized city. It's quite crowded and there's a lot of traffic, but it's a convenient place because there are shops and things nearby. I've lived there for a few years now.

Band 7–8

I live in a mid-sized city about an hour from the coast, and what I'd actually mention is that my neighbourhood has changed a lot recently — there used to be mostly small family shops, and now there's a new shopping centre that opened last year, which locals still have mixed feelings about. Personally I like having more choice, but I do miss the smaller shops.

असल में क्या बदला

- **Band 6 का जवाब एक श्रेणी का वर्णन करता है; band 7–8 का जवाब एक जगह का।** "Medium-sized city" और "quite crowded" लगभग कहीं की भी बात हो सकती है। "A new shopping centre that opened last year" सिर्फ़ इसी जवाब की हो सकती है।
- **यह 0.3 की claim–reason–example आदत को बिना कहे निभाता है।** हाल का एक ख़ास बदलाव ("a new shopping centre"), उस पर एक प्रतिक्रिया ("locals still have mixed feelings"), और एक निजी स्थिति ("I do miss the smaller shops") — एक सरल वाक्य पर खड़े तीन जोड़।
- **"What I'd actually mention is" सोचते समय की चुप्पी की जगह लेता है।** यह एक पल की सहज fluency ख़रीद लेता है, बिना filler शब्द बने, और संकेत देता है कि जवाब अब ख़ास होने वाला है।

1.2 काम या पढ़ाई

सवाल

Do you work or are you a student?

जाल: एक पंक्ति का जवाब। "I'm a student" एक पूरा, सही वाक्य है — और साथ ही Part 1 में Fluency and Coherence के अंक गँवाने का अकेला सबसे आम तरीका भी। यह सवाल आगे बोलते रहने का निमंत्रण है, भरने के लिए कोई फ़ॉर्म नहीं।

Band 6

I'm a student. I study business at university. It's my second year. I chose it because I think it will help me get a good job in the future.

Band 7–8

I'm currently in my second year of a business degree, and if I'm honest, I chose it partly for practical reasons — it opens a lot of doors — but I've actually ended up enjoying the marketing side of it more than I expected. I didn't think I'd say that a year ago.

असल में क्या बदला

- **चार छोटे वाक्य दो लंबे, जुड़े हुए वाक्य बन गए।** Band 6 का जवाब सही पर बेमेल तथ्यों की सूची है। Band 7–8 का जवाब उन्हें तर्क से जोड़ता है: "partly for practical reasons... but I've actually ended up enjoying..." — एक विचार से अगला निकलता हुआ, और Coherence असल में यही नाप रही है।

- **एक घिसे-पिटे कारण की जगह सच्चा आत्म-चिंतन।** "It will help me get a good job" वह जवाब है जो लगभग हर कोई देता है। "I didn't think I'd say that a year ago" एक ख़ास, निजी बात है जो सिर्फ़ इसी बोलने वाले की हो सकती है।
- **"If I'm honest" असली काम कर रहा है।** यह संकेत देता है कि एक सोचा-समझा जवाब आने वाला है, और यह बोलचाल का सहज hedge है, रटी हुई शुरुआत नहीं — वही फ़र्क़ जिसे Part 4 का 4.1 और विस्तार से समझाता है।

1.3 खाली समय और शौक

सवाल

What do you like to do in your free time?

जाल: सूची। "I like reading, swimming, and spending time with friends" सवाल का ईमानदार जवाब देता है — और उतनी ही देर उन तीनों में से किसी एक पर बोलने से बुरा स्कोर पाता है। सूची गतिविधियों के नाम गिनाने की शब्दावली दिखाती है। वह Fluency and Coherence नहीं दिखाती, क्योंकि विचारों के जुड़ने के लिए वहाँ कुछ है ही नहीं।

Band 6

I like reading books. I also enjoy swimming when I have time. And I like spending time with my friends on the weekend. These are my main hobbies.

Band 7–8

Reading is probably the one I'd pick if I had to choose — I try to read every night before bed, usually fiction, and it's become the way I switch off after a busy day. I used to think of it as a chore back when it was homework, but doing it by choice completely changed how I feel about it.

असल में क्या बदला

- एक गतिविधि, विकसित की हुई, नाम गिनाई गई तीन गतिविधियों से बेहतर है। Band 7–8 का जवाब एक ही शौक चुनता है और उस पर इतनी देर टिकता है

कि उसके बारे में कुछ असली कह सके — किसी विचार के विकसित हो पाने से पहले ही आगे नहीं बढ़ जाता।

- **पहले-और-अब की तुलना मुफ़्त में मिल जाती है।** "I used to think of it as a chore... doing it by choice completely changed how I feel" बदलाव के बारे में तर्क का एक छोटा टुकड़ा है — ठीक वैसी सोच जो Part 3 सीधे-सीधे माँगेगा, इसलिए यहाँ उसका अभ्यास बेकार नहीं जाता।
- **"If I had to choose" सूची-नुमा सवाल को एक-जवाब वाले सवाल में बदल देता है,** और यही जवाब को गिनाने की जगह विकसित होने की जगह देता है।

1.4 दिनचर्या और आदतें

सवाल

Can you describe a typical day for you?

जाल: present tense की एकरसता। "I wake up. I have breakfast. I go to work." हर वाक्य सही है और हर वाक्य की बनावट एक जैसी है, जो Grammatical Range को बाँध देती है — जबकि उसमें गलत असल में कुछ भी नहीं है। बस विविधता दिखाने के लिए वहाँ कुछ है ही नहीं।

Band 6

I wake up at seven. I have breakfast and go to university. I have classes until the afternoon. Then I go home and do my homework. In the evening I watch TV or talk to my family.

Band 7–8

My mornings are pretty routine — up around seven, out the door by eight — but the rest of the day depends a lot on what classes I have. If it's a heavy day I'll usually grab something quick between lectures rather than a proper lunch, which probably isn't the healthiest habit, but by evening things slow down and that's when I actually get to relax, usually with my family or doing something for myself.

असल में क्या बदला

- छोटे, एक जैसे वाक्यों की क़तार की जगह एक लंबा, सधा हुआ वाक्य। "If it's a heavy day I'll usually grab something quick... which probably isn't the healthiest habit" एक conditional और साथ में एक relative-नुमा टिप्पणी बिना टूटे इस्तेमाल करता है — वही सधी हुई जटिलता जो Book 1 का 3.5 वाला तीन-रचनाओं का नियम बताता है, लिखने की जगह बोलकर।
- एक छोटी, ईमानदार टिप्पणी ("**which probably isn't the healthiest habit**") बिना जोखिम बढ़ाए व्यक्तित्व जोड़ती है। यह अपने बारे में एक छोटी, सुरक्षित टिप्पणी है, कोई व्याकरण की महत्वाकांक्षी छलॉंग नहीं — और ठीक ऐसे ही कम-जोखिम वाले जोड़ जवाब को सूची की जगह एक इंसान जैसा बना देते हैं।
- "**Pretty routine**" और "**depends a lot**" का फ़र्क़ दिखाता है कि बोलने वाला उस पर भी बात कर सकता है जो बदलता है, सिर्फ़ उस पर नहीं जो वैसा का वैसा रहता है — रेंज का छोटा पर असली टुकड़ा।

2.1 किसी व्यक्ति का वर्णन

कार्ड

Describe a person who taught you something valuable.

You should say:

- who this person is
- what they taught you
- how they taught you

and explain why what they taught you still matters to you.

जाल: व्यक्ति का वर्णन करते रह जाना और सीख तक कभी न पहुँचना। तैयारी का एक मिनट और एक जाना-पहचाना शब्द — "describe" — बहुत-से परीक्षार्थियों को सीधे रूप-रंग और स्वभाव में खींच ले जाता है, और कार्ड की असली बात — क्या सिखाया गया और वह आज भी क्यों मायने रखता है — को अंत के चालीस सेकंड मिलते हैं।

एक मिनट की योजना

Who: an aunt, taught me to cook, not a chef, patient
What: not recipes - how to taste and adjust as you go
How: cooking together every visit, let me get it wrong first
Why still matters: I use it outside cooking too - trial before rules

Band 6

I want to talk about my aunt. She taught me how to cook when I was younger. She's a very kind and patient person. She taught me by letting me help her in the kitchen every time I visited. She showed me how to make different dishes. What she taught me still matters because I still cook the recipes she showed me, and I think about her when I make them.

(~115 words)

Band 7–8

I'll talk about my aunt, who's probably the person who taught me the most outside of school. She taught me to cook — but not recipes, really. What she actually taught me was how to taste something as you go and adjust it, rather than following instructions exactly. She did it by just letting me help in her kitchen every time I visited, and importantly, letting me get it wrong first rather than correcting me straight away. What still matters to me isn't really the cooking itself — it's that I picked up a way of learning things: try it, notice what's off, fix it. I catch myself using that approach in situations that have nothing to do with food.

(~135 words)

असल में क्या बदला

- **Band 6 का जवाब चारों बिंदुओं को पतला-पतला छूता है; band 7–8 का जवाब आखिरी बिंदु को ठीक से निभाता है और बाकियों को छोटा रहने देता है।** हर बिंदु को बराबर समय देने से ज़्यादा यह कार्ड "why it still matters" की

गहराई को इनाम देता है — Part 4 का 4.4 ठीक इसी अदला-बदली का नाम लेता है।

- **"Not recipes, really" और "not really the cooking itself" सटीक नकार हैं,** धुँधली हिचकिचाहट नहीं। पहले यह कहना कि कोई चीज़ क्या *नहीं* है, और फिर उसे सुधारना, एक छोटी, सीखने लायक तरकीब है जो जवाब को रटा हुआ नहीं, सोचा-समझा सुनाई देती है।
- **आखिरी वाक्य सीख को कहानी से आगे ले जाकर सामान्य बना देता है।** "I catch myself using that approach in situations that have nothing to do with food" कार्ड के असली निर्देश का जवाब देता है — यह आज भी क्यों मायने रखता है — सिर्फ़ यह दोहराने की जगह कि हाँ, रखता है।

2.2 किसी अनुभव का वर्णन

कार्ड

Describe a time you learned a new skill.

You should say:

- what the skill was
- how you learned it
- what was difficult about learning it

and explain how you felt once you could do it.

जाल: सख्त समय-क्रम, और कहानी खत्म होते ही कहने को कुछ नहीं। "First I did this, then I did that, then I could do it" एक पूरा, ईमानदार ब्योरा है — और एक-दो मिनट पूरे होने से काफ़ी पहले उसकी सामग्री खत्म हो जाती है, क्योंकि सिलसिलेवार कहानी में सोच-विचार की कोई स्वाभाविक जगह नहीं होती।

एक मिनट की योजना

Skill: learning to drive, age 19, later than most friends

How: lessons + practice with my father, tense at first

Hard part: not the controls - staying calm with traffic around me

Felt: less about the licence, more that I'd stopped avoiding it

Band 6

I learned to drive when I was nineteen. I took lessons with an instructor and also practised with my father. At first I found it difficult because I was nervous. The traffic made me nervous too. After some months I passed my test. I felt very happy and proud when I passed.

(~110 words)

Band 7–8

I learned to drive at nineteen, which was later than most of my friends, and I think that's partly because I'd been putting it off — I was fairly certain I'd be a nervous driver, and I turned out to be right at first. The controls themselves weren't the hard part; it was staying calm with other traffic actually moving around me. What made the difference was practising with my father regularly rather than only in lessons, since he could talk me through it calmly when I got tense. Honestly, by the time I passed, the test itself felt almost secondary — what actually felt good was realising I'd stopped avoiding something I'd been putting off for years.

(~150 words)

असल में क्या बदला

- कठिनाई का नाम खास तौर पर लिया गया है, सामान्य तौर पर नहीं। "I was nervous" दोनों जवाबों में है, पर सिर्फ़ मज़बूत जवाब बताता है कि उसमें कठिन क्या था — यंत्र नहीं, आसपास चलता ट्रैफ़िक — और यही फ़र्क़ है बताई गई भावना और समझाई गई भावना के बीच।
- अंत असली निर्देश का जवाब देता है, ज़ाहिर वाले का नहीं। कार्ड पूछता है कि कर पाने के बाद बोलने वाले को कैसा लगा; "very happy and proud" उसका

शाब्दिक जवाब है। "The test itself felt almost secondary" उसका ज़्यादा ईमानदार और ज़्यादा ख़ास जवाब है, और वह शुरुआत की टालते रहने वाली बात से वापस जुड़ता है।

- **"Which was later than most of my friends" बिना पूछे आई, आत्म-जागरूक बात है।** कार्ड में साथियों से तुलना कहीं नहीं माँगी गई थी; उसे जोड़ना दिखाता है कि बोलने वाला कहानी सुना नहीं रहा, उसके बारे में सोच रहा है।

2.3 किसी चीज़ या जगह का वर्णन

कार्ड

Describe a place you enjoy spending time in.

You should say:

- where it is
- how often you go there
- what you do there

and explain why you enjoy spending time there.

जाल: कारण की जगह खड़ी घिसी-पिटी तारीफ़। "It's very nice, I like it a lot, it's very peaceful" आखिरी बिंदु का जवाब शब्दों में तो दे देता है, पर परीक्षक को कुछ भी इतना ख़ास नहीं देता जिसकी वह तस्वीर बना सके। घिसी-पिटी तारीफ़ चीज़ों-और-जगहों वाला वही रोग है जो Book 1 के 3.6 के "examples that are not examples" में है।

एक मिनट की योजना

Place: small park near my flat, ten min walk

How often: most weekends, sometimes after work

What I do: just sit, sometimes read, mostly nothing planned

Why: only place I don't feel like I should be doing something

Band 6

There is a small park near my flat that I like. It takes about ten minutes to walk there. I usually go on weekends. I sit on a bench and sometimes read a book. I enjoy spending time there because it is peaceful and green, and I can relax.

(~105 words)

Band 7–8

There's a small park about ten minutes' walk from my flat that I go to most weekends, and occasionally after work if I need to clear my head. I don't really go there to do anything specific — I'll bring a book sometimes, but mostly I just sit. What I actually enjoy about it is that it's possibly the only place in my week where I don't feel like I should be doing something more productive. Everywhere else, even at home, there's usually a reason I should be doing something else instead.

(~130 words)

असल में क्या बदला

- **"Peaceful and green" की जगह एक ख़ास, निजी कारण।** दोनों वर्णन सच हैं, पर सिर्फ़ दूसरा वाला किसी और इंसान के किसी और पार्क के बारे में नहीं लिखा जा सकता था — वह पार्क की शक्ल के बारे में नहीं, बोलने वाले के "कुछ करते रहना चाहिए" वाले एहसास से रिश्ते के बारे में है।
- **समझाने का काम एक छोटी तुलना करती है।** "Everywhere else... there's usually a reason I should be doing something else instead" पार्क को उस चीज़ से परिभाषित करता है जो वह *नहीं* है — और किसी एहसास को ठोस बनाने का यह तरीक़ा अक्सर उसके होने का वर्णन करने से तेज़ होता है।

- **"Occasionally after work if I need to clear my head" योजना में** दिए पहले जवाब से आगे एक दूसरा, अलग संदर्भ जोड़ता है — यह दिखाते हुए कि जगह एक से ज़्यादा स्थितियों में मायने रखती है, सिर्फ़ रोज़ की आदत में नहीं।

3.1 सीखना और मार्गदर्शन

2.1 के cue card से निकलता है — वह व्यक्ति जिसने बोलने वाले को कुछ सिखाया।

सवाल

Do you think people learn more from teachers or from their own experience?

Has the way people learn skills changed with the internet?

जाल: बिना तर्क की चपटी राय। "I think teachers are more important" पहले सवाल का पूरा जवाब है — और किसी कारण से बँधे छोटे जवाब से बुरा स्कोर पाता है। Part 3 चर्चा है, वोट नहीं।

Short answer

I think both are important, but probably experience teaches you more in the end.

Extended answer

I'd say it depends what you're learning. For something with real danger involved, like driving, I'd trust a teacher's guidance over trial and error every time. But for a lot of everyday skills, I think people only really learn once they've made a mistake themselves — a teacher can tell you something will go wrong, and it doesn't fully land until it actually does.

असल में क्या बदला

- छोटा जवाब स्थिति बता देता है पर किसी कारण से नहीं बँधता; बढ़ाया हुआ जवाब बचाव से पहले दावे को सँकरा करता है। "It depends what you're learning" किसी चपटे सामान्यीकरण से ज़्यादा टिकाऊ है, और Part 3 उस स्थिति को इनाम देता है जो साफ़ तौर पर सोची हुई हो — उससे ज़्यादा जो आत्मविश्वासी पर घिसी-पिटी सुनाई दे।
- एक ठोस मामला (**driving**) अमूर्त दावे को ज़मीन देता है। "Real danger involved" कोई समृद्ध शब्दावली का चुनाव नहीं है — यह इतना ख़ास उदाहरण है कि सुनने वाला दावे को परखे जाते हुए देख सके; Book 1 के उस नियम का बोला हुआ रूप कि उदाहरण में कम से कम एक ख़ास चीज़ चाहिए।
- आखिरी उपवाक्य दावे को दोहराने की जगह तर्क को आगे बढ़ाता है। "It doesn't fully land until it actually does" एक *क्यों* जोड़ता है, और यही राय को तर्क से अलग करता है।

Has the way people learn skills changed with the internet?

Short answer

Yes, definitely. Now you can learn almost anything from videos online.

Extended answer

Definitely — and I think the biggest change isn't just the amount of information, it's that you can learn at your own pace and go back and rewatch something you didn't understand the first time, which you can't really do with a teacher standing in front of a class. I do wonder, though,

whether something gets lost without someone noticing when you're stuck and adjusting how they explain it.

असल में क्या बदला

- **बढ़ाया हुआ जवाब बदलाव का एक खास तंत्र चुनता है** — अपनी रफ़्तार से सीखना और दोबारा देख पाना — घिसे-पिटे "you can learn almost anything" की जगह, जो किसी भी विषय के किसी भी सवाल पर कहा जा सकता था।
- **अंत में एक सच्चा प्रति-विचार आता है** ("I do wonder, though, whether something gets lost...") — ठीक वही दूसरे-पक्ष-को-जगह-देने वाली चाल जिसका नाम अगले अध्याय का 3.3 सीधे लेगा। इसकी fluency में कोई क्रीम नहीं, और यह असली गहराई जोड़ती है।

3.2 बदलाव और विकास

2.2 के cue card से निकलता है — वह मौक़ा जब बोलने वाले ने कोई नया हुनर सीखा।

सवाल

How do people change as they get older?

Do you think it's important to keep learning new things throughout your life?

जाल: अपनी स्वतंत्र राय बनाने की जगह सवाल में छिपे ढाँचे से सहमत हो जाना।
"How do people change" सुनते ही बस बदलाव गिनाने लगना आसान है, बिना कभी यह कहे कि बोलने वाला खुद उन बदलावों के बारे में क्या सोचता है।

Short answer

People get more confident and more patient as they get older, I think.

Extended answer

I think people generally get more confident, though I'm not sure "patient" is always true — some people I know have actually got less patient as they've got older, because they feel like they have less time to waste. What I do think is fairly consistent is that people become more selective — more willing to say no to things that don't interest them, which younger people often feel they can't do.

असल में क्या बदला

- बढ़ाया हुआ जवाब अपने ही पहले विचार के एक हिस्से से असहमत होता है। तीन सुरक्षित विशेषण गिनाने की जगह "patient" को सुधारना दिखाता है कि बोलने वाला दावे पर सचमुच विचार कर रहा है, पहला ठीक-ठाक लगता शब्द नहीं उठा रहा — स्वतंत्र सोच का छोटा पर असली टुकड़ा।
- **"Some people I know"** एक सामान्य दावे को असली अवलोकन के करीब की चीज़ पर टिका देता है, बिना किसी गढ़ी हुई, नाम वाली कहानी की ज़रूरत के — चर्चा के जवाब में सबूत की हल्की-सी छुअन काफ़ी है।
- एक अकेला, खास दावा ("**more selective**") एक धुँधले, सुरक्षित दावे की जगह लेता है। यह "wiser" या "more mature" से ज़्यादा सटीक है — ऐसे शब्द जो लगभग किसी भी बड़ी उम्र के इंसान पर बैठ जाते हैं और इसीलिए लगभग कुछ नहीं कहते।

Do you think it's important to keep learning new things throughout your life?

Short answer

Yes, I think it's important, because the world keeps changing.

Extended answer

I do, though I'd say it matters less for the reason people usually give — keeping up with a changing world — and more because I've noticed that when I stop learning anything new, I actually feel less motivated generally, even in areas of my life that have nothing to do with it. Learning something seems to keep a kind of momentum going.

असल में क्या बदला

- बढ़ाया हुआ जवाब अपना कारण देने से पहले अपेक्षित कारण को साफ़ शब्दों में नकारता है। "Less for the reason people usually give... and more because" ऐसा ढाँचा है जो स्वतंत्र सोच का साफ़ संकेत देता है, और इसके लिए किसी परिष्कृत शब्दावली की ज़रूरत नहीं पड़ती।
- एक निजी, थोड़ा अनोखा अवलोकन सुरक्षित, अपेक्षित दावे की जगह लेता है। "Keep a kind of momentum going" एक विनम्र, भरोसे लायक विचार है, सही मात्रा की हिचकिचाहट ("seems to") के साथ कहा हुआ — जो हद से बढ़ा हुआ नहीं, सोचा-समझा सुनाई देता है।

3.3 चीज़ें और उनकी कीमत

2.3 के cue card से निकलता है — वह जगह जहाँ बोलने वाले को समय बिताना अच्छा लगता है।

सवाल

Do you think people today value having personal space and quiet time more than in the past?

Is it becoming harder for people to switch off from work and daily pressures?

जाल: उस सवाल का एकतरफ़ा जवाब जो दो पक्ष रखने के लिए ही बना है। ऊपर के दोनों सवाल समय के आर-पार तुलना का न्योता देते हैं, और दूसरी नज़र को बिल्कुल जगह न देने वाला आत्मविश्वासी जवाब Part 3 में आमतौर पर ज़्यादा नहीं, कम क़ायल करता सुनाई देता है।

Short answer

Yes, I think people value quiet time more now because life is busier than before.

Extended answer

I'd actually push back slightly on "more than in the past" — I suspect people have always wanted quiet time, but what's changed is how hard it's become to actually get it, with phones and constant notifications. So

it's less that we value it more and more that we're more aware of not having enough of it.

असल में क्या बदला

- बढ़ाया हुआ जवाब जवाब देने से पहले खुद सवाल पर सवाल उठाता है। "I'd actually push back slightly on..." किसी premise से असहमत होने का सहज, बोलचाल वाला तरीका है, और Part 3 में यह ढाँचे को मानकर उसके ऊपर बनाने से ज्यादा मज़बूत चाल है।
- एक फ़र्क़ ("less that we value it more, more that we're aware of not having enough") चपटी "हाँ" की जगह लेता है — यह वही "बचाव से पहले दावे को सँकरा कीजिए" वाली 3.1 की चाल है, दो तरीकों की तुलना की जगह समय के आर-पार तुलना पर लगाई हुई।
- तर्क ऐसे सबूत के बिना भी भरोसे लायक बना रहता है जो बोलने वाले के पास है ही नहीं। यहाँ किसी अध्ययन या आँकड़े का दावा नहीं है — यह एक सोची-समझी निजी राय है, राय की तरह ही कही हुई, और Part 3 ठीक यही माँग रहा है।

Is it becoming harder for people to switch off from work and daily pressures?

Short answer

Yes, I think it's harder now because of phones and social media.

Extended answer

I think so, yes — though I'd say it's less the technology itself and more the expectation that comes with it, that you should be reachable. My parents' generation could leave work at work because there was no way to reach them; now there's no technical reason not to reply to an email at nine at night, so the pressure is more about what people expect than what the phone can actually do.

असल में क्या बदला

- बढ़ाया हुआ जवाब कारण को उस चीज़ से अलग करता है जिसे लोग कारण मान लेते हैं ("less the technology itself and more the expectation") — ऊपर वाली ही premise-से-असहमति की बनावट, अब एक अलग सवाल पर — जो दिखाता है कि तरकीब हर जगह चलती है, किसी एक विषय के लिए रटी नहीं गई।
- एक ठोस तुलना ("my parents' generation... no way to reach them") "pressure" जैसे अमूर्त दावे को छूने लायक बना देती है, बिना कोई नाम वाला इंसान या खास कहानी गढ़े — बात को ज़मीन देने के लिए एक हल्की, सामान्य तुलना काफ़ी है।

Part 4 — लोगों को band 6 पर क्या रोके रखता है



इसे तब पढ़िए जब आप कई विषयों का ज़ोर से अभ्यास कर चुके हों, पहले नहीं। ये आदतें अपने आप में पहचानना आसान हो जाती हैं जब आप अपने कुछ जवाब सुन चुके हों, और सिर्फ सूची से इन्हें पकड़ पाना मुश्किल है।

इनमें से कोई भी नाटकीय ग़लती नहीं है। नाटकीय ग़लती को कोई पहली बार इशारा करते ही ठीक कर लेता है। ये इसलिए बची रहती हैं क्योंकि ये सामान्य, वाजिब बोलचाल जैसी सुनाई देती हैं।

4.1 रटी हुई शुरुआत

"Well, that's an interesting question, let me think about that for a moment." "I come from a small city in the north of my country, which is famous for..." "In my opinion, I think that..."

रटी हुई शुरुआतें सुनने वाले की तरफ़ से पहचानना आसान होता है, क्योंकि वे हमेशा एक ही रफ़्तार और एक ही शक़ल में आती हैं, चाहे असल में पूछा कुछ भी गया हो। Fluency

and Coherence इसी सवाल के जवाब को इनाम देता है, और रटी हुई शुरुआत इसी सवाल के लिए नहीं बनी थी।

इसकी क्रीमत तटस्थ नहीं है। रटा हुआ वाक्यांश उसके बाद आने वाली बात से एक विरोधाभास बना देता है, और चमकाई हुई शुरुआत तथा उसके बाद आने वाले ज़्यादा सहज जवाब के बीच का यह फ़ासला खुद अपनी ओर ध्यान खींचता है।

जाँच। क्या यही वाक्य, बिना बदले, किसी बिल्कुल अलग सवाल के जवाब की शुरुआत बन सकता है? अगर हाँ, तो यह असल में इस सवाल का जवाब नहीं है।

इसकी जगह क्या करें। एक छोटा, सहज ठहराव कोई समस्या नहीं है — "hm, let me think" एक बार, संक्षेप में, कुछ नहीं बिगाड़ता। अंक वहाँ जाते हैं जहाँ असली सोच की जगह एक पूरा रटा हुआ पैराग्राफ़ खड़ा कर दिया जाता है।

4.2 एक-वाक्य वाला जवाब

तकनीकी रूप से सही, और आगे बढ़ने को कुछ नहीं। 0.3 पर वापस देखिए — यही वह चूक है जिसे ठीक करने के लिए वह आदत बनाई गई है।

तीस सेकंड का इलाज। किसी भी छोटे जवाब के बाद, खुद से एक सवाल पूछिए: *why, or can you say more?* एक कारण जोड़िए। एक खास ब्योरा जोड़िए। आपको दो बार कहलवाने की ज़रूरत नहीं है; इसे हर बार कीजिए, जब तक यह जान-बूझकर की जाने वाली नहीं, अपने आप होने वाली आदत न बन जाए।

4.3 चुप्पी को filler से भरना

"Um... you know... like... it's, um..."

असली बोलचाल में, किसी भी भाषा में, इसका थोड़ा होना पूरी तरह सहज है। समस्या वह filler है जो सोचने के साथ नहीं चलता, उसकी जगह ले लेता है — एक ही वाक्य को तीन बार फिर से शुरू करना, या किसी विचार को बिना पूरा किए बीच में छोड़ देना।

सहज ठहराव कैसा सुनाई देता है। "That's a good question — I think..." — एक छोटा वाक्यांश, और फिर एक असली जवाब।

अटका हुआ ठहराव कैसा सुनाई देता है। "It's, um, it's kind of, um, it depends, um..." — और कई सेकंड बाद भी कुछ ठोस नहीं आता।

अगर अभ्यास में आपको खुद में दूसरी वाली आदत दिखे, तो इलाज आमतौर पर "तेज़ बोलना" नहीं है। इलाज है एक योजना होना — 0.3 की claim-reason-example आदत देखिए — ताकि वाक्य शुरू करने से पहले ही आपको पता हो वह कहाँ जा रहा है।

4.4 गलत आकार के सवाल का जवाब देना

Part 1 के ऐसे सवाल का, जो और चाहता था, एक-पंक्ति का जवाब (ऊपर, 4.2) इस गलती की एक दिशा है। दूसरी दिशा Part 2 में होती है: पूरी long turn एक ही bullet पर बिता देना और कार्ड के बाकी हिस्से के लिए समय न बचाना, या इसका उल्टा — चारों bullet इतनी तेज़ी से भाग जाना कि उनमें से कोई विकसित ही न हो।

इसकी जगह क्या करें। अपने योजना के एक मिनट के दौरान एक नज़र डालिए कि कार्ड में कितने bullet हैं और आपके बोलने के समय का लगभग कितना हिस्सा हर एक को मिलना चाहिए। यह बराबर होना ज़रूरी नहीं — 2.1 का "describe a person" जवाब जानबूझकर आखिरी bullet पर पहले तीन से ज़्यादा समय बिताता है — पर यह एक फ़ैसला होना चाहिए, इस बात का इत्फ़ाक़ नहीं कि पहले दिमाग़ में क्या आया।

4.5 Part 3 में बात का सूत्र खो देना

किसी चर्चा वाले सवाल का जवाब देना शुरू करना, किसी जुड़े पर अलग बिंदु की ओर बहक जाना, और जो असल में पूछा गया था उस पर कभी वापस न आना।

Part 3 के सवाल अक्सर पहली नज़र में लगने से ज़्यादा जटिल होते हैं, जो बहकना आसान बना देता है। इस किताब के पूरे Part 3 में इस्तेमाल किया गया इलाज वही एक है: तर्क शुरू करने से पहले अपनी असली स्थिति जल्दी, एक साफ़ वाक्य में बता दीजिए।

अगर आप उस वाक्य की ओर इशारा कर सकते हैं जो सवाल का जवाब देता है, तो आपने सूत्र नहीं खोया — भले ही उसके बाद की व्याख्या थोड़ी भटक जाए।

4.6 दो-मिनट की जाँच

इस किताब में कहीं से भी एक सवाल का अपना जवाब रिकॉर्ड कीजिए। फिर उसे दोबारा सुनिए और इसी क्रम में जाँचिए:

1. **क्या कोई ऐसा वाक्य है जो आपका असली जवाब बताता है?** अगर आपको एक भी न मिले, तो सुनने वाले को भी नहीं मिला होगा।
2. **क्या आपने बिना पूछे कोई कारण या उदाहरण जोड़ा?** यह 0.3 की वही अकेली आदत है, और इसे जाँचना सबसे तेज़ है।
3. **आपने कितनी बार किसी वाक्य को शुरुआत से दोबारा शुरू किया?** एक-दो बार सामान्य बोलचाल है। लगातार करना ध्यान देने लायक है।
4. **क्या आपके सारे वाक्य लगभग एक ही लंबाई और बनावट के थे?** अगर हर वाक्य किसी भी दूसरे वाक्य की जगह ले सकता था, तो अगली बार वहीं विविधता जोड़िए।
5. **क्या आपने वही सवाल का जवाब दिया जो असल में पूछा गया था,** या उसके पास वाला कोई सवाल जिस पर बोलना आसान था?

यह हर अभ्यास जवाब पर नहीं, हफ़्ते में एक रिकॉर्डिंग पर कीजिए। खुद को आलोचनात्मक ढंग से सुनना छोटी, ईमानदार मात्रा में उपयोगी है — लगातार की जाने वाली आदत के तौर पर नहीं जो बोलते समय आपको सचेत बना दे।

Part 5 — अभ्यास, और आखिरी हफ़्ता



5.1 नौ सवाल

हर हिस्से के लिए तीन। सभी नौ इसी किताब के लिए लिखे गए हैं — इन्हें ज़ोर से बोलिए, सिर्फ़ पढ़िए मत।

यहाँ कोई मॉडल जवाब नहीं है, और यह जानबूझकर है। आप पहले से दस मॉडल जवाब देख चुके हैं, बारीकी से पढ़े हुए। इनमें से हर एक के लिए मॉडल पढ़ना आपकी पढ़ाई का अभ्यास होता, आपके बोलने का नहीं।

Part 1 — तीन छोटे-सवालों के सेट

हर सवाल का जवाब देने के लिए खुद को लगभग 30 सेकंड दीजिए, उतनी ही सहजता से जितनी किसी इंटरव्यू में होती।

1. *Do you prefer spending time indoors or outdoors? Why?*
2. *What kind of weather do you like best?*
3. *Do you usually cook for yourself, or do you rely on other people for meals?*

Part 2 — एक cue card

योजना के लिए खुद को एक मिनट दीजिए, फिर बिना रुके एक से दो मिनट बोलिए।

Describe a piece of advice someone gave you that you actually followed.

You should say:

- who gave you the advice
- what the advice was
- why you decided to follow it

and explain whether you think it was the right decision.

Part 3 — एक चर्चा-समूह

हर जवाब से पहले सोचने के लिए खुद को कुछ सेकंड दीजिए, जैसे असली टेस्ट में होता — कई मिनट नहीं।

1. *Do you think older people are generally better at giving advice than younger people?*
2. *Is it easier to take advice from someone you know well, or from a stranger?*
3. *Do people ask for advice less often than they used to?*

5.2 खुद को रिकॉर्ड कीजिए, एक बार

ऊपर के नौ में से एक चुनिए — वह जिस पर आपको सबसे कम भरोसा है — और अपना जवाब अपने फ़ोन पर रिकॉर्ड कीजिए। बस एक। उसे एक बार दोबारा सुनिए, 4.6 की पाँच जाँचों का इस्तेमाल करते हुए।

अभ्यास का यह हिस्सा वह है जो यह किताब आपके लिए नहीं कर सकती। इन पन्नों में बाक़ी सब कुछ इस बारे में है कि क्या कहना है; यहीं आपको पता चलता है कि वह असल में आपके अपने मुँह से कैसा सुनाई देता है — और इसकी जगह कोई भी मात्रा में पढ़ना नहीं ले सकता।

5.3 आखिरी सात दिन

अगर आपका टेस्ट अगले हफ़्ते है, तो अब भी यह करने लायक़ है।

करने लायक़

- **हर दिन ज़ोर से बोलिए, थोड़ी देर के लिए ही सही।** दस मिनट का बोलने का अभ्यास मॉडल जवाब चुपचाप पढ़ने के एक घंटे से बेहतर है। Fluency उसे इस्तेमाल करने से बनती है, उसके बारे में पढ़ने से नहीं।
- **claim-reason-example आदत का अभ्यास तब तक कीजिए जब तक वह अपने आप न आने लगे,** साधारण सवालों पर — आज आपने क्या खाया, और क्यों; इस वीकेंड आपने क्या किया, और क्यों। टेस्ट के दिन तक इसके लिए जान-बूझकर मेहनत नहीं करनी चाहिए।
- **दो जवाब रिकॉर्ड कीजिए और उन्हें 4.6 के हिसाब से जाँचिए।** दो से ज़्यादा नहीं — यह एक निदान का औज़ार है, पूरा हफ़्ता ख़ुद को सुनने में बिताने का तरीक़ा नहीं।
- **अपने Part 2 के जवाबों का समय नापने का अभ्यास कीजिए।** मोटे तौर पर जान लीजिए कि बोलने का एक मिनट कैसा महसूस होता है, ताकि आप न जल्दी रुकें और न ही कहने को कुछ ख़त्म हो जाए।

करने लायक़ नहीं

- **विषयों का अंदाज़ा लगाकर पूरे जवाब रटना।** देखिए 4.1। ग़लत सवाल का रटा हुआ जवाब सही सवाल के छोटे, सच्चे जवाब से बुरा है।
- **इस हफ़्ते लंबे या असामान्य शब्द सीखना।** जिस शब्द को सहजता से इस्तेमाल करने का आपको भरोसा नहीं, वह आपको धीमा कर देगा या दबाव में ग़लत

निकलेगा, और थोड़ा ग़लत होना उस सादे शब्द से महँगा पड़ता है जो पहले से आपका है।

- **अपने लहजे की चिंता करना।** Pronunciation चार मापदंडों में से एक का सिर्फ़ एक हिस्सा है, और इतनी देर से यह कुछ ऐसा नहीं जिसे आप सार्थक रूप से बदल सकें। इसकी जगह वह समय fluency पर खर्च कीजिए।

टेस्ट के दिन

जवाब देने से पहले पूरा सवाल सुनिए, Part 1 में भी — आधे सवाल का जल्दबाज़ी वाला जवाब 4.4 की ग़लती का ही एक रूप है। ज़रूरत हो तो थोड़ा रुकिए। एक छोटा, असली ठहराव आपको कुछ नहीं बिगाड़ता; उसकी जगह लेने वाला रटा हुआ वाक्य ज़्यादा महँगा पड़ता है।

समापन

अब आप जानते हैं कि चारों मापदंड क्या हैं, तीनों हिस्से आपस में कैसे जुड़ते हैं, "जवाब को आगे बढ़ाना" व्यवहार में असल में क्या है, और कौन-सी आदतें आपको अभी जिस स्कोर पर हैं वहीं रोके हुए हैं।

सच कहें तो यही ज़्यादातर हिस्सा है। बाक़ी है बोलना — ज़ोर से, कभी-कभी रिकॉर्ड किया हुआ, और Part 4 के हिसाब से ईमानदारी से जाँचा हुआ।

टेस्ट के लिए शुभकामनाएँ।

इन किताबों के बारे में

यह किताब मुफ़्त है। इसे बाँटने के लिए ही लिखा गया था, और आप यह फ़ाइल किसी को भी दे सकते हैं जो टेस्ट की तैयारी कर रहा हो — कोई सहपाठी, कोई स्टडी ग्रुप, कोई शिक्षक। इसके लिए न अनुमति चाहिए और न कुछ देना है।

और मुफ़्त किताबें **freeieltsbooks.net** पर हैं।

अगले हफ़्ते फिर आइए

पता अभी लिख लीजिए, जब यह आपके ध्यान में है: **freeieltsbooks.net**

इसे अपने बुकमार्क में सहेज लीजिए, या अगले हफ़्ते के लिए फ़ोन पर रिमाइंडर लगा दीजिए — हम और किताबें जोड़ रहे हैं। साइट पर आखिरी अपडेट की तारीख़ दिखती है, ताकि आप एक नज़र में देख सकें कि पिछली बार के बाद क्या बदला।

न कुछ साइन अप करना है और न कोई ईमेल पता देना है। रिमाइंडर आपका है, आपके अपने फ़ोन पर — आप तक पहुँचने का हमारे पास यही एक तरीक़ा है, और हमें यही बेहतर लगता है।

यह संस्करण अगस्त 2026 में अद्यतन किया गया।

स्वतंत्र प्रकाशन — IELTS Partners से संबद्ध या अनुमोदित नहीं।

इस किताब का हर cue card और हर सवाल इसी के लिए लिखा गया है। यहाँ कोई आधिकारिक परीक्षा सामग्री पुनः प्रस्तुत नहीं की गई है।